Naidunia (Indore), 13th August 2024, Page- 03

आइआइटी की रैंक गिरी, आइआइएम की यथावत

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ● स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी की श्रेणी में इंदौर के डीएवीवी को 50वां स्थान

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर/भोपाल : केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क-2024 की रैंकिंग में मध्य प्रदेश के कई शिक्षण संस्थानों ने बेहतर स्थान बनाया है। इंदौर के इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट (आइआइएम) देश के प्रथम 10 संस्थानों में शामिल है। इसे आठवां स्थान प्राप्त हुआ है।

वहीं, प्रदेश के एक मात्र देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने देश के टाप 100 विश्वविद्यालयों में स्थान बनाया है। उसको स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी की श्रेणी में 50वां स्थान मिला है। भोपाल के मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी, स्कूल आफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, नेशनल ला इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आइसर) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) शामिल हैं।

रैंकिंग में ए प्लस ग्रेड प्राप्त देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने राज्य विश्वविद्यालय की सूची में 48.35 अंक प्राप्त कर 50वां स्थान हासिल किया है, जो सूची में आना वाला मध्य प्रदेश में पहला विश्वविद्यालय बन गया है। जबकि ए डबल प्लस जीवाजी विश्वविद्यालय देशभर के 300 शैक्षणिक संस्थानों में भी जगह नहीं बना पाया है। मंत्रालय ने पहली बार यह राज्य विश्वविद्यालय श्रेणी रखी है। जबकि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को ओवरआल संस्थानों की श्रेणी में इस बार भी 101-150 बैंड से ही संतोष करना पड़ेगा। टाप-100 संस्थानों में जगह नहीं बनाने के पीछे असल वजह वर्षों से शिक्षकों के रिक्त पदों और शोधकार्य की घटती संख्या है।

एनआइआरएफ रैंकिंग-2024 में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम इंदौर) ने अपनी रैंक बरकार रखी है। प्रबंधन की सूची में संस्थान को आठवां स्थान मिला है। संस्थान ने पिछली बार की तुलना में 1.58 अंक अधिक अर्जित किए हैं। यानी संस्थान को 73.53 अंक मिले हैं। जबकि 2023 में सूची में संस्थान ने 71.95 अंक हासिल किए थे। संस्थान कई सरकारी एजेंसियों को आगे बढ़ाने व उनके प्रोजेक्ट में मदद करता है।

आइआइटी इंदौर आया दो पायदान नीचे : रैंकिंग में आइआइटी इंदौर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसका इंजीनियरिंग संस्थानों की श्रेणी में 16वां स्थान रहा है, जो पिछले साल की तुलना में दो पायदान नीचे आ चुका है। संस्थान को इस बार 64.72 अंक प्राप्त हुए हैं। ओवरआल श्रेणी में 28वें से खिसककर 33वां स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि शोध संस्थान श्रेणी में 21वीं से लुढ़ककर 27वीं रैंक आई है।

एनआइआरएफ देशभर के शैक्षणिक संस्थानों को विभिन्न मापदंडों पर परखता है। इनमें शिक्षण पद्धति, शोध कार्य, छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत, आउटरीच एंड इन्क्लूसिविटी व परसेप्शन बिंदु शामिल थे। हर मापदंड पर अलग-अलग अंक दिए जाते हैं। इसके आधार पर संस्थानों की रैंक बनाई जाती है।

आइआइएम इंदौर। ● फाइल फोटो

- आइआइटी इंदौर ने 64.72 अंक के साथ 16वां स्थान प्राप्त किया
- भोपाल के एमएएनआइटी, आइसर, स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर व नेशनल ला इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी ने बनाया स्थान

इन आधारों पर होती है रैंकिंग

रैंकिंग के पैरामीटर में टीचिंग, लर्निंग, रिसोर्स, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, ग्रेजुएशन आउटकम्स आउटरीच आदि शामिल होते हैं।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय। ● फाइल फोटो

भोपाल के मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की रैंकिंग में सुधार

भोपाल के मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) ने रैंकिंग में सुधार करते हुए 72वां स्थान हासिल किया है। यह पिछली गणना में 80वें स्थान पर था। 100 संस्थानों की समग्र रैंकिंग में इंदौर के इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी ने 33वां स्थान, रिसर्च संस्थानों की सूची में भी इसी संस्थान ने 27वां और इंजीनियरिंग की श्रेणी के 100 संस्थानों में 16वां स्थान प्राप्त किया है। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आइसर) ने समग्र श्रेणी में 78वां स्थान बनाया है। जबकि, यह पिछली गणना में 60वें स्थान पर था। वहीं, भोपाल का मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी (मैनिट) इंजीनियरिंग की श्रेणी में 72वें स्थान पर रहा है। इसी संस्थान ने आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग ने प्रमुख 40 संस्थानों में से 17वां स्थान बनाया है। आर्किटेक्चर संस्थान की श्रेणी में स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर 12वें स्थान पर रहा है।

देश के प्रमुख 50 चिकित्सा संस्थानों की बात करें तो इसमें भोपाल के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने 31वां स्थान प्राप्त किया है। यह पिछली रैंकिंग में 30वें स्थान पर था। इसी तरह विधि संस्थान में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय संस्थान (एनएलआइयू) भोपाल ने प्रमुख 40 संस्थानों में 21 वां स्थान तो बनाया है पर यह पिछली रैंकिंग की तुलना में तीन पायदान फिसला है।

> संस्थान का प्रदर्शन बेहतर रहा है। टाप-10 में जगह बना रखी है। पिछली बार से कुछ अंक अधिक मिले हैं। अगले कुछ सालों में संस्थान को टाप-फाइव में लाया जाएगा। इसके लिए संस्थान नई दिशा में काम करेगा।
>
> – प्रो. हिमांशु राय
> निदेशक आइआइएम इंदौर

> अगले साल विश्वविद्यालय में शोध कार्यों की संख्या बढ़ाई जाएगी। आठ साल बाद विश्वविद्यालय में नया विभाग शुरू हुआ है, जिसमें एविएशन और टूरिज्म सहित कई डिप्लोमा कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। इससे संस्थान का प्रदर्शन बेहतर होगा।
>
> – डा. रेणु जैन, कुलगुरु डीएवीवी